GGDSD COLLEGE PALWAL

DEPARTMENT OF SANSKRIT

MEMBER OF SANSKRIT

RENU RANI

VISION OF SANSKRIT

he Department of Sanskrit aims to be one of the best university departments of Sanskrit in India. It will be the endeavour of the Department to provide proper grounding to students in areas like literature , linguistics, philosophy, poetics Sanskrit shastras etc. Over the next few years, the department plans to start many new initiatives, activities and programmer for the benefit of the students and development of the department

Innovation is the key

Sanskrit Shastras are competent enough to enterthe science worldMove out of Humanities and get merged withscienceAnalogy Maths, psychology, Logic.We must find practical approach for theseSanskrit Sciences

Relevance of Sanskrit

Shastras in Modern Technologyfortunately these shastras are found relevent intodays technologyComputing ideas in PaniniText processing principles in MeemamsaFormal languages in Nyayawe lack the technology and application areaStory of Babbage!!

Science and Sanskrit

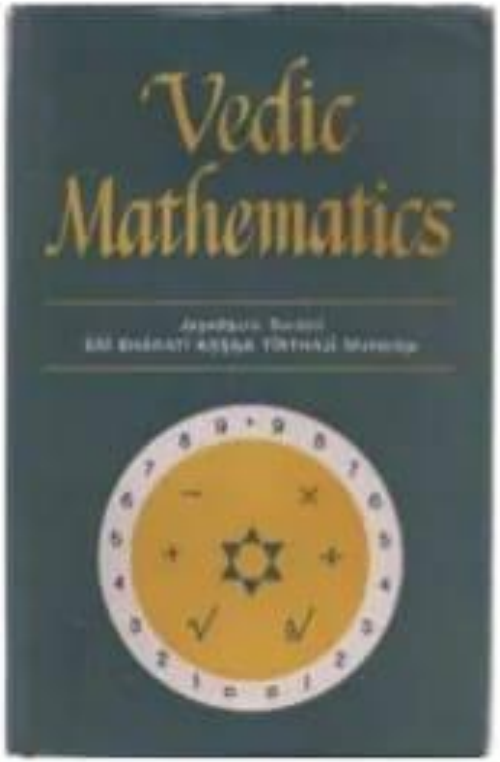

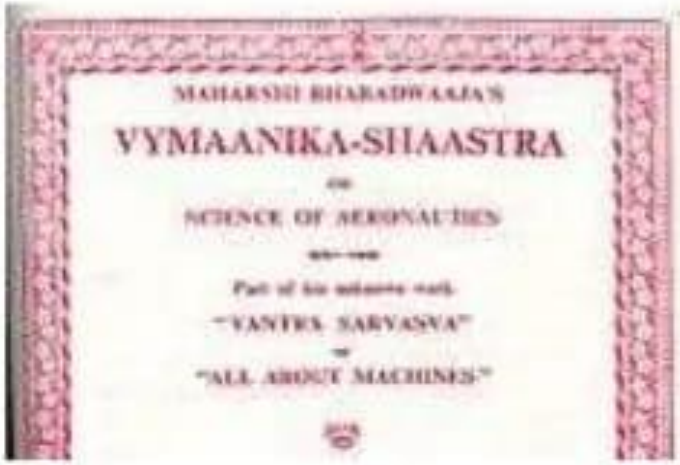

Lilavathi

A Webinar was organised by GGDSD COLLEGE PALWAL ON " ENVIRONMENT"

संस्कृत साहित्य में पर्यावरण विषय पर वेबिनार का आयोजन

पलवल। गोस्वामी गणेशदत्त सनातन धर्म कॉलेज में संस्कृत विभाग के तत्वावधान में "संस्कृत साहित्य में पर्यावरण विषयक वर्णन" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जीके सपरा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ रुचि शर्मा द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य ने मुख्य वक्ता, कार्यक्रम के संयोजकों तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक सावधानियां से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम प्रभारी व संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ रेनू रानी शर्मा ने वेबिनार के विषय का संक्षिप्त परिचय देते हुए वेदों उपनिषदों आदि में उल्लेखित पर्यावरण की स्वच्छता व सरंक्षण विषयक मंत्रों की व्याख्या करते हुए ऋषि-मुनियों द्वारा आंतरिक एवं बाह्य पर्यावरण की शुद्धि के विषय में कहे गए मंत्रों का भी उल्लेख किया। साथ ही मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया एवं वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण का महत्व भी बताया। मुख्य वक्ता डॉ पशुपतिनाथ मिश्रा प्राचार्य हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बघौला ने उक्त विषय पर वेदों, उपनिषदों, महाकवि कालिदास कृत महाकाव्य रघुवंशम, नाटक अभिज्ञान शकुंतलम तथा श्रीमद्भागवत गीता इत्यादि शास्त्रों में उल्लेखित पर्यावरण संरक्षण संबंधी मंत्रों की व्याख्या करते हुए सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने स्थूल पर्यावरण के साथ ही सूक्ष्म पर्यावरण यथा मन व आत्मा को भी विकार रहित रखते हुए आत्मा की शुद्धि पर भी विशेष बल दिया। इसके लिए श्रीमद्भागवत गीता से उदाहरण प्रस्तुत किए। डॉ जंग बहादुर पांडेय पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग रांची

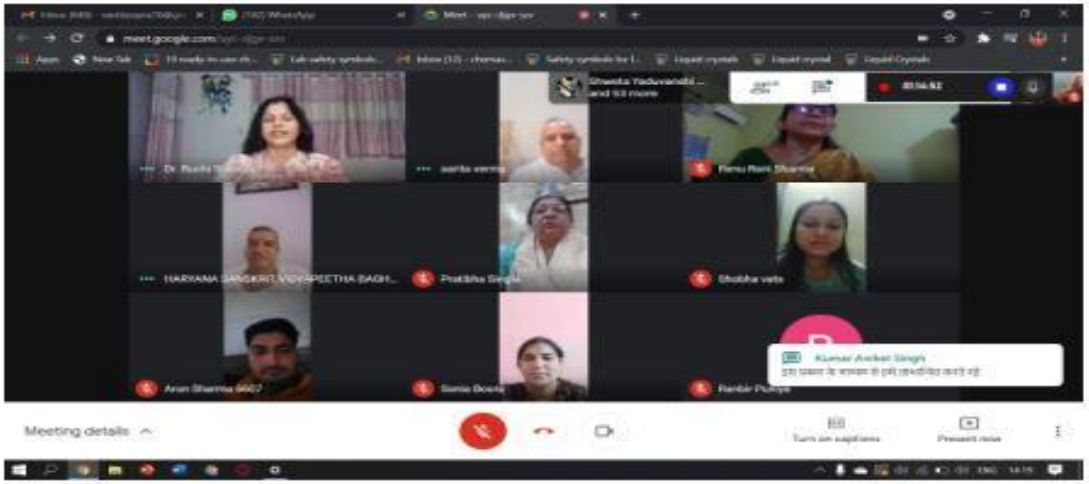

विश्वविद्यालय रांची ने संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में पर्यावरण संरक्षण किंचित वर्णनों का उल्लेख करते हुए कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया। महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता विश्वस्तता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ प्रवीण वर्मा ने हिंदी साहित्य में पर्यावरण संरक्षण हेतु साहित्यकारों द्वारा उल्लेखित उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रत्येक विषय के साहित्यकारों को प्रकृति के सानिध्य में रचनाधर्मी बताया। महाविद्यालय में रसायन विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रुचि शर्मा ने तकनीकी प्रभारी के रूप में प्रशंसनीय कार्य किया। कार्यक्रम के अंत में आंतरिक गुणवत्ता विश्वस्तता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ प्रवीण वर्मा ने मुख्य वक्ता प्राचार्य प्रतिभागी प्राध्यापक शोधार्थी, छात्र-छात्राओं तथा वेबीनार को सफल आयोजन कराने में सहयोग करने वाले महाविद्यालय के सभी साथियों का धन्यवाद किया। महाविद्यालय के प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र कालरा, उपाध्यक्ष मनोज मंगला, सचिव बंशीधर मखीजा एवं कोषाध्यक्ष निलेश मंगला ने इस वेबिनार के आयोजन के लिए संस्कृत विभाग की प्रोफेसर को बधाई दी तथा आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहने के लिए प्रेरित किया।

NEWS HEADLINES

एसडी कालेज में संस्कृत विषय पर हुआ वेबिनार

अजय प्रताप सिंह

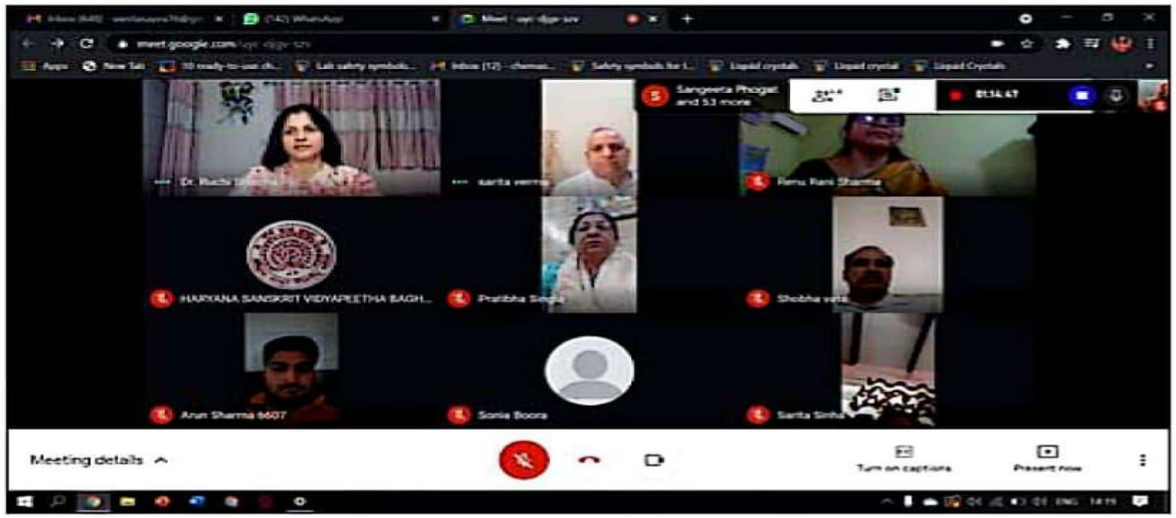

पलवल। एसडी कालेज पलवल में आज संस्कृत विभाग के तत्वधान में संस्कृत साहित्य में पर्यावरण विषयक वर्णन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ जी के सपरा ने की और कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ रुचि शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी व संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ रेनू रानी शर्मा ने वेबीनार के विषय का विस्तार से प्रकाश डाला और बताया और ऋषि.मुनियों द्वारा आंतरिक एवं बाह्म पर्यावरण की शुद्धि के विषय में कहे गए मंत्रों का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ पशुपति नाथ मिश्रा प्राचार्य हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ बघौला रहे तथा डॉ जंग बहादुर पांडेय, पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग रांची विश्वविद्यालय रांची ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर डॉ प्रवीण वर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।

Scanned with CamScanner